www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 32 | जौनपुर, गुरूवार, 17 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

कॉलेज नया कोर्स शुरू करने से पहले छात्रों के हॉस्टल की व्यवस्था पर चर्चा करें – आशीष सूद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसे के बाद छात्रों के लिए सुरक्षित और बेहतर आवास व्यवस्था को लेकर सरकार ने पहल तेज कर दी है। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद की अध्यक्षता में छात्र आवास और सुरक्षा को लेकर गठित हाई–पावर्ड कमेटी की पहली बैठक मंगलवार को हुई। बैठक में दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, पुलिस कमिश्नर, एनडीएमसी की चेयरपर्सन, एमसीडी कमिश्नर और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कमेटी के सदस्य शामिल हुए। बैठक में दिल्ली में कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए सुरक्षित, सुलभ और बेहतर आवास व्यवस्था सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। साथ ही, पीजी और कोचिंग संस्थानों की व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित करने और छात्रों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी विचार किया गया। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि पीजी अकोमोडेशन को रेगुलेट करने और उसके प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए पुलिस, एमसीडी, डीडीए और विश्वविद्यालयों सहित विभिन्न प्रशासनिक निकायों के प्रतिनिधियों की कमेटी बनाई गई है। बैठक में पीजी सुविधाओं और कोचिंग संस्थानों के सही संचालन को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा हुई।

भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर दुनिया का भरोसा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दुनिया में युद्ध, महामारी और बदलती वैश्विक व्यवस्था के बीच भारत स्थिरता और आर्थिक विकास के केंद्र के रूप में उभर रहा है। राजनीतिक निरंतरता और स्पष्ट दिशा ने देश की स्थिति मजबूत की है। भारतीय ज्ञान और परंपराओं को आधुनिक जरूरतों से जोड़ने, गरीबों तक विकास पहुंचाने और युवाओं के लिए अवसर बढ़ाने पर जोर है। विदेश नीति में संतुलन और वैश्विक दक्षिण की आवाज को मंच देने से भारत का प्रभाव बढ़ा है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे लिखते हैं कि विंस्टन चर्चिल ने एक बार विक्टोरिया के शासनकाल के अंतिम दशकों को महान व्यक्तियों और छोटी घटनाओं का दौर बताया था। इसके विपरीत, पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1959–1960 के समय को ऐसा दौर बताया था, जब छोटे कद के लोग बड़ी घटनाओं और बड़े फैसलों का सामना कर रहे थे। 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत चुका है। पिछले दो दशकों से अधिक के इस दौर को बड़ी–बड़ी घटनाओं के समय के रूप में देखा जा सकता है। विज्ञान और तकनीक में ऐसी तेज प्रगति हुई है, जिसकी कल्पना करना भी मुश्किल था। लेकिन इसके साथ ही समाज में गिरावट और नैतिक पतन भी देखने को मिला है।

पीएम मोदी के 25 साल के सफर से भारत के गांव बने आत्मनिर्भर - योगी आदित्यनाथ



लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्वाचित प्रतिनिधि के तौर पर जनसेवा में 25 वर्ष पूरे होने को भारत के गांवों के बदलते स्वरूप से जोड़ते हुए कहा कि उनके ''सेवा संकल्प'' का प्रभाव उन गांवों में देखा जा सकता है, जो अब आत्मनिर्भरता की कहानियां सुना रहे हैं। मोदी के 76वें जन्मदिन पर वाराणसी में सेवा संकल्प अभियान की शुरूआत करत हुए आदित्यनाथ ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक मोदी की यात्रा ने देश को एक ''नये भारत'' की दृष्टि दी है जो सुरक्षित, और आत्मविश्वास से भरा हुआ है तथा दुनिया के साथ जुड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''25 वर्ष पहले, उसी सेवा–भाव के संकल्प के साथ, गुजरात से मोदी जी ने जो यात्रा शुरू की थी, आज वह ऐसी है कि भारत का शायद ही कोई ऐसा नागरिक होगा जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इस यात्रा का सहभागी न रहा हो।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सात अक्टूबर को, गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर (2001 में) शपथ लेने के मोदी के 25 साल पूरे हो जाएंगे। उन्होंने इस दौर को दृढ़ता, कड़ी मेहनत और समर्पण की यात्रा बताते हुए कहा, ''बिना रुके, बिना झुके, बिना थके – चरैवेति, चरैवेति (चलते रहो, चलते रहो) के मंत्र के साथ – उन्होंने यह यात्रा जारी रखी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के एक साधारण परिवार से प्रधानमंत्री बनने तक की मोदी की यात्रा को अब भारत और विदेशों में लोग देख रहे हैं। उन्होंने कहा, इस 25 साल की शानदार यात्रा को उन गांवों की बदलती तस्वीर के रूप में देखा जा सकता है, जो आज आत्मनिर्भरता की कहानियां सुना रहे हैं। वाराणसी के इस कार्यक्रम में आदित्यनाथ के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और केंद्रीय मंत्री व भाजपा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी मौजूद थे। आदित्यनाथ ने कहा, यह एक ऐसा भारत है जिस पर हम सभी गर्व कर सकते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने पीएम मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, कहा– 'आपने सुशासन के नए प्रतिमान किए स्थापित'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री के लंबे राजनीतिक सफर की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सुशासन के अनेक नए प्रतिमान स्थापित किए हैं और समावेशी विकास को नई दिशा प्रदान की है। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। विगत 25 वर्षों में मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के कार्यकाल में आपने सुशासन के अनेक नए प्रतिमान स्थापित किए हैं व समावेशी विकास को अभूतपूर्व गति और नई दिशा प्रदान की है। उन्होंने आगे कहा, "सांस्कृतिक गौरव की भावना के साथ आधुनिक प्रगति के मार्ग पर चलते हुए हमारे देशवासी, विरासत और विकास के समन्वय को साकार कर रहे हैं। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की प्रार्थना करती हूं, ताकि आप जन–सेवा और राष्ट्र–निर्माण के अपने अभियान को निरंतर आगे बढ़ाते रहें। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए लिखा, "आइए, देश और दुनिया के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सफलता, अच्छे स्वास्थ्य और देशवासियों की सेवा में उनके लंबे कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दें। आप अपने विचारों और उपलब्धियों से दुनिया भर में लोगों को प्रेरित करते रहते हैं।



राष्ट्र प्रथम' की भावना से आगे बढ़ रहा भारत – नितिन नवीन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। नितिन नवीन ने गुरुवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान किया। दिल्ली के भाजपा मुख्यालय में नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया, जिसे भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बैठकर स्वयं देखा और कलाकारों की हौसला अफजाई की। पत्रकारों से बातचीत में नितिन नवीन ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन है और मैं उन्हें बधाई देता हूं। आज हमारा 'सेवा संकल्प अभियान' चल रहा है। आज रक्तदान के माध्यम से हजारों कार्यकर्ता इसकी शुरूआत कर रहे हैं। आज समस्त भारतवासी मिलकर 'आशीर्वाद का दीया' जलाएंगे।" उन्होंने कहा कि 17 सितंबर भगवान विश्वकर्मा की पूजा का दिन होने के साथ–साथ आधुनिक भारत के वास्तुकार प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू कर रही है और इस दिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि देशभर में हजारों भाजपा कार्यकर्ता रक्तदान अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में हुए बदलाव केवल जीवन स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इससे लाखों भारतीयों की सोच और मानसिकता में भी बदलाव आया है। आज भारतीय 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं।



प्रधानमंत्री मोदी को गुजरात के सीएम सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुरुवार को 76वां जन्मदिन है। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और नेताओं ने उनको बधाई दी है।सरकारी योजनाएं खोजें गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोशल मीडिया पर लिखा, ष्मैं दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता और देश के सफल प्रधानमंत्री, माननीय नरेंद्र भाई मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं, जो अपना हर पल मां भारती की सेवा में समर्पित करते हैं।ष आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने श्एक्सश पर पोस्ट कर लिखा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री के तौर पर आपका नेतृत्व सचमुच ऐतिहासिक रहा है। जनसेवा के 25 शानदार वर्षों में गुजरात में बदलाव लाने वाले मुख्यमंत्री से लेकर देश को नई दिशा देने वाले क्रांतिकारी प्रधानमंत्री तक की आपकी यात्रा ने भारत की विकास गाथा को नई गति दी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, नरेंद्र मोदी ने कम उम्र से ही खुद को अलग–अलग भूमिकाओं में जन–सेवा के लिए समर्पित किया है। पिछले 25 वर्षों से पहले गुजरात में सरकार के मुखिया के तौर पर और बाद में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने अटूट संकल्प के साथ देश को आगे बढ़ाया है। जन–कल्याण, सामाजिक न्याय, तेजी से बुनियादी ढांचे का विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अडिग प्रतिबद्धता उनके लंबे सार्वजनिक जीवन की पहचान रही है।ष हिमंता ने आगे लिखा, ष2014 से उन्होंने असम के विकास पर अभूतपूर्व जोर दिया है और इसे इस क्षेत्र के विकास का इंजन बनाया है। श्विकास से विरासतश तक उन्होंने राज्य के सर्वांगीण कल्याण को प्राथमिकता दी है और विकास के नए अध्याय लिखने में हमारा मार्गदर्शन करते रहे हैं। इस खास दिन पर मैं मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव से प्रार्थना करता हूं कि वे उन्हें उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें और मां भारती की सेवा में उन्हें और भी कई वर्ष दें। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा।



पंजाब में रेल रोको आंदोलन, छह जिलों में ट्रैक पर बैठे किसान, मोगा में पुलिस से धक्का-मुक्की

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब में किसानों का आंदोलन एक बार फिर रेलवे ट्रैक तक पहुंच गया है। किसान मजदूर मोर्चा चौप्टर पंजाब से जुड़ी आठ किसान जत्थेबंदियों ने गुरुवार को अलग–अलग स्थानों पर रेल रोको आंदोलन शुरू किया। किसान नेताओं का कहना है कि लंबे समय से मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन के सामने आवाज उठाई जा रही थी, लेकिन बातचीत नहीं होने के कारण उन्हें रेलवे ट्रैक पर उतरने का फैसला लेना पड़ा। मोगा में बैरिकेडिंग पार कर ट्रैक पर पहुंचे किसान मोगा के गांव महेश्वरी संधूया में किसानों ने रेलवे ट्रैक पर धरना दिया। किसानों को ट्रैक तक पहुंचने से रोकने के लिए पुलिस की ओर से बड़ी संख्या में जवानों की तैनाती की गई थी। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन किसान बैरिकेड पार कर रेलवे ट्रैक तक पहुंच गए। इस दौरान रेलवे स्टेशन के बाहर किसानों और पुलिस के बीच धक्का–मुक्की की स्थिति भी बनी। इसके बाद किसान ट्रैक पर बैठ गए और पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। किसान नेता बलदेव सिंह जीरा ने कहा कि किसान पहले डीसी कार्यालयों और पंजाब सरकार के मंत्रियों के आवास के बाहर धरना दे चुके हैं। उनके मुताबिक, इसके बावजूद सरकार की ओर से मांगों पर बातचीत नहीं की गई, जिसके बाद रेल रोको आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। छह जगहों पर रेलवे ट्रैक जाम किसान नेताओं के अनुसार अमृतसर, गुरदासपुर, फिरोजपुर, मोगा, संगरूर और सुनाम समेत छह स्थानों पर रेल यातायात रोका गया है। इसके साथ ही पंजाब सरकार के मंत्रियों के घरों के बाहर चल रहे धरने भी जारी रखने की बात कही गई है। झज्झड नेता सरवण सिंह पंधेर ने बताया कि करीब एक महीने पहले मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर किसानों की मांगों से अवगत कराया गया था। 31 अगस्त को डिप्टी कमिश्नर कार्यालयों के बाहर भी प्रदर्शन किए गए थे। उनका आरोप है कि सरकार ने अभी तक किसानों से बातचीत नहीं की है।सरकार क्या हैं किसानों की प्रमुख मांगें।



भारतीयों और अफगानों के बीच संबंध आधुनिक नक्शों और सीमाओं से भी पुराने

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की हालिया बैठक में अफगानिस्तान के राजनीतिक, मानवीय, सुरक्षा और मानवाधिकारों के हालातों पर गंभीर चर्चा की गई। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि मैं इस महीने परिषद की अध्यक्षता संभालने पर फ्रांस को बधाई देता हूं और मुझे बोलने का मौका देने के लिए आपका धन्यवाद करता हूं। मैं अफगानिस्तान के लिए मिशन की प्रमुख और डिप्टी एसआरएसजी (राजनीतिक) जॉर्गेट गैगनन को इस बैठक में जानकारी देने के लिए धन्यवाद देता हूं। हम सिविल सोसाइटी की ओर से दी गई जानकारी पर भी ध्यान देते हैं। नए स्थान तलाशें उन्होंने कहा कि पड़ोसी होने के नाते, भारतीयों और अफगानों के बीच संबंध आधुनिक नक्शों और सीमाओं से भी पुराने हैं। काबुल से हिंदुस्तान के मैदानी इलाकों तक जाने वाली सड़कें न केवल व्यापार के रास्ते थीं, बल्कि विचारों और ज्ञान, विश्वास और आस्था के गलियारे भी थीं। सदियों से इन इलाकों में कई साम्राज्य बने और मिट गए, लेकिन अफगान और भारतीय लोगों के बीच दोस्ती और भाईचारे का धागा कभी नहीं टूटा। यही भावना इस देश के प्रति मेरे देश की नीति का आधार है। हम शांति, स्थिरता और समृद्धि के पक्ष में हैं, जो अफगानिस्तान के टिकाऊ विकास में मदद कर सके। इसका सबूत दोहा वर्किंग ग्रुप की बैठकों में हमारी भागीदारी, हमारी मजबूत द्विपक्षीय विकास साझेदारी और क्षेत्रीय पहलों में हमारे प्रयासों से मिलता है। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस मजबूत विश्वास को फिर से दोहराता हूं कि एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित यूरेशिया के लिए भारत की साझा आकांक्षा अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता से भी गहराई से जुड़ी हुई है।



टीएमसी के नाम और चुनाव चिन्ह पर घमासान, ईसीआई आज सुनेगा दोनों गुटों का दावा

कोलकाता, (एजेंसी)। भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) गुरुवार को नई दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों के प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात करेगा और बैठक के बाद चुनाव आयोग पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर कोई फैसला ले सकता है। सबसे पहले, पार्टी से निकाले गए विधायक रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाला ष्बागी लेकिन बहुमत वाला गुटष गुरुवार को दोपहर 3 बजे नई दिल्ली में अशोक रोड स्थित ईसीआई मुख्यालय में ईसीआई की पूरी बेंच से मुलाकात करेगा। इसके बाद, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाला पार्टी का ष्असली लेकिन अल्पसंख्यकष गुट, गुरुवार को ही नई दिल्ली में उसी जगह पर, एक घंटे के अंतर के बाद शाम 4 बजे ईसीआई की पूरी बेंच से मुलाकात करेगा। राजनीति हालांकि बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों को भेजे गए संदेशों में ईसीआई सचिव अश्वनी कुमार मोहाल ने बैठकों के एजेंडे के बारे में नहीं बताया था, लेकिन ईसीआई के सूत्रों का कहना है कि चर्चा पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर अपने–अपने दावों के समर्थन में दोनों प्रतिनिधिमंडलों की दलीलों के बारे में होगी। बैठक में हर गुट का प्रतिनिधित्व पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल करेगा। आयोग दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद ही पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न के भविष्य पर फैसला करेगा। ये दोनों बैठकें बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पूर्वी मिदनापुर जिले के नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र और रेजीनगर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव 6 अक्टूबर को होने हैं।



लता चौक पर विशेष सफाई के साथ सेवा संकल्प अभियान शुरु

महापौर ने जिला पंचायत अध्यक्ष व नगर आयुक्त के साथ की अभियान की अगुवाई

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर नगर निगम की ओर से सेवा संकल्प अभियान के तहत एक माह तक चलने वाले विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत बुधवार को लता चौक से की गई।महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह एवं नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के साथ अभियान की अगुवाई करते हुए सफाई कार्य का शुभारंभ किया। अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र के लगभग सभी वार्डों में पार्षदों के नेतृत्व में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। लता चौक से रानी हो स्मारक तक विशेष सफाई कराकर क्षेत्र को स्वच्छ बनाया गया। सफाई कर्मियों ने सड़क, फुटपाथ और आसपास के क्षेत्रों से कूड़ा–कचरा हटाया।इस अवसर पर महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य केवल शहर को साफ–सुथरा बनाना नहीं है, बल्कि स्वच्छ और विकसित भारत के निर्माण में नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करना भी है।उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ ही नियमित सफाई व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाएगा।उन्होंने बताया कि लता चौक पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए आशीर्वाद स्वरूप दीप प्रज्ज्वलित किया जाएगा।अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों और नगर निगम अधिकारियों ने लोगों से स्वच्छता बनाए रखने तथा कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने की अपील की।अभियान में अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव, भाजपा महानगर महामंत्री परमानंद मिश्र, मंडल अध्यक्ष मुकेश तिवारी, डॉ. जय गुरुदेव शुक्ल, डॉ. आदित्य प्रकाश सिंह, सुबोध चतुर्वेदी, राधारमण त्रिपाठी, अखिलेश पांडेय, केहर सिंह, अजय आजाद, भवानी शंकर त्रिपाठी, रघुनाथ यादव, इंद्रप्रीत कौर, प्रमोद मिश्र, अभय यादव, रामनरेश गुप्ता, कामेश्वर श्रीवास्तव, रोहित शर्मा, विनोद पाठक,श्रीनिवास शास्त्री सहित नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य लोग शामिल रहे।



संपादकीय

प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज

नेपाल की त्रासदी का संदेश है कि प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना संभव नहीं रह जाएगा। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, यह चर्चा दशकों पुरानी हो चुकी है। इसके क्या घातक परिणाम होंगे, इसको लेकर वैज्ञानिक चेतावनियां भी आम चर्चा में रही हैं। कई दिन की जांच–पड़ताल के बाद अब यह साफ है कि नेपाल में 26 अगस्त को जो हुआ, वह उन चेतावनियों का ही साकार रूप लेना था। इसीलिए उस रोज हुई ग्लेशियर टूटने की घटना को महज प्राकृतिक आपदा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। स्पष्टतरू यह हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के हुए प्रभाव का परिणाम है। इसलिए यह एक गंभीर चेतावनी है। इसे ध्यान में रखना चाहिए कि ग्लेशियल झील के फटने से आने वाली बाढ़ जैसी त्रासदियां अनहोनी का हो जाना भर नहीं हैं। बल्कि ये इनसान की अ–दूरदर्शिता का सीधा परिणाम हैं। 26 अगस्त को नेपाल–चीन सीमा के पास लांगटांग लिरुंग क्षेत्र में एक विशाल ग्लेशियर अचानक खिसक गया। यह घटना लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हुई। ग्लेशियर टूट कर लगभग 1,200 मीटर नीचे स्थित घाटी में गिरा। उसके प्रभाव से तीव्र घर्षण पैदा हुआ और अत्यधिक बर्फ पिघलकर गारे और चट्टानों के साथ बह निकली। यह घटना बताती है कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हर पल मॉनिटरिंग और उपग्रह आधारित निगरानी की कितनी कमी है। समय पर हिमनद झील के बढ़ते जलस्तर का आकलन कर निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी कर दी जाती, तो जान–माल के नुकसान को सीमित किया जा सकता था। यह भी गौरतलब है कि हिमालय जैसे पारिस्थितिकीय नजरिए से नाजुक क्षेत्र में बिना ठोस पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किए पनबिजली परियोजनाओं, सड़कों, और सुरंगों का अंधाधुंध निर्माण किया जा रहा है। इससे ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का जोखिम कई गुना बढ़ा है। उधर बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण हिमनद तेजी से पिघलकर खतरनाक झीलों का रूप ले रहे हैं। कुल मिलाकर इस त्रासदी का संदेश है कि प्रकृति के तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना और जलवायु परिवर्तन संबंधी चेतावनियों को नजरअंदाज करना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना अब संभव नहीं रह गया है।

देसी राज की शिक्षा ने मतिहीन नेता बनाए

शंकर शरण

हिन्दू ग्रंथों की निन्दा करने वाले उसे शायद ही पढ़ते हैं। मनुस्मृति के राज्य–शासन संबंधी तीनों अध्याय गंभीर ज्ञान–भंडार हैं। अधिकांश आज भी मूल्यवान। तब सोचें, तीन हजार वर्ष पहले इतना गहन चिंतन विश्व में कहाँ था! तब यहाँ ऐसे शास्त्र रचे गए, जिन की बातें आज भी चमत्कृत करती है। ज् निंदक लोग केवल सुनी–सुनाई पर चलते हैं कि उस में शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।य वस्तुतरू मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है।.. स्वामी दयानन्द सरस्वती ने मनुस्मृति को अपने समाज–सुधार का आधार बनाया था। यदि मनुस्मृति जातिवादी या स्त्री–विरोधी होती, तो वे संपूर्ण भारत में इतना बड़ा आधुनिक, व्यापक प्रभावशाली सुधार आंदोलन चलाने में कैसे सफल हुए होते? प्रायरू लगता है, कि अंग्रेजों ने इस देश को अधिक सहानुभूति से समझा था। लोगों की ही नहीं, अपितु यहाँ के ज्ञान, इतिहास, विरासत, धर्म और संस्कृति के प्रति भी सच्ची देख–भाल की प्रवृत्ति उन में थी। यह बात एकबारगी विचित्र लगे, किंतु ठोस पैमानों पर कृ सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यवहारिक कृ परखने से सोचने पर विवश होना पड़ेगा। शिक्षा का उदाहरण लें। अंग्रेजों ने यहाँ अपने बनाए स्कूलों, कॉलेजों में यूरोप के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान से भारतीय बच्चों, युवाओं को शिक्षित किया। साहित्य और दर्शन में महान भारतीय रचनाओं को भी वही स्थान दिया। यह पुराने पुस्तकालयों में रखी उस जमाने की पाठ्य सामग्रियों तथा उस युगीन हमारे विद्वानों के लेखन के माध्यम से भी जाना जा सकता है। पर देशी राज की शिक्षा ने क्या किया? इस ने जल्द ही शिक्षा का राजनीतिकरण, मतवादीकरण कर दिया! पूरे ब्रिटिश राज में शायद ही स्कूलों में कभी ब्रिटिश सम्राटों या वायसरायों की विरुदावली रटाने, फैलाने का काम हुआ। देशी राज में अपने चालू नेताओं को दैवी, ज्ञानी, चिंतक, विश्वनेता, आदि बताना नीचे से ऊपर सभी कक्षाओं में एक सामान्य तत्व बन गया। यह प्रवृत्ति शिक्षा के विरुद्ध कुशिक्षा को प्रश्रय देना था। अनजाने होने से उस की हानि कम नहीं हुई! बल्कि फिर उस का प्रतिफलन, विस्तार, आदि अन्य क्षेत्रों में भी होना ही था। जैसे, शिक्षा में सच्चे सिद्धांत पढ़ने के बजाए वैसे मतवादों, विचार पढ़ाना जो उन नेताओं को पसंद थे। या जो उन की अपनी झक थी। तदनुसार, विद्वानों के बदले उन भक्तों और रट्टू तोतों को आचार्य, अध्यापक, संचालक बनाना जो उन मतवादों का प्रचार करें। इसी तरह, फिर शोध के नाम पर उन्हीं बातो, आग्रहों, दुराग्रहों की पुष्टि कराने वाले विचार को शोध–विषय बनाकर शुद्ध प्रोपेगंडा को शोध, ज्ञान, शिक्षा, और उच्च–शिक्षा का नाम दे देना। उक्त सभी प्रवृत्तियों को आज विकराल व दयनीय रूप में चारो तरफ देख सकते हैं। बीमारी इतनी व्यापक हो चुकी, कि बीमारी नहीं लगती! मानो जहाँ सभी अंधे हों, वहाँ अंधकार और प्रकाश में नामालूम अंतर रहता है। सो, सचमुच ज्ञान की बातें, ज्ञान पुस्तकें, और सच्चे शिक्षक आज के शैक्षिक बौद्धिक वातावरण में नक्कू हैं। उन के लिए कहीं स्थान नहीं। यह भी सरसरी अवलोकन से देखा जा सकता है। वर्तमान मुहावरे में कहें, तो श्जेनरल कैटेगरीय के प्रतिभाशाली विद्यार्थी या अध्यापक विदेशों में जगह ढूँढने के लिए अभिशप्त हैं। देश में उन के लिए कोई चिन्ता करने वाला नहीं! इस प्रकार, देसी राज को ज्ञान, प्रतिभा, योग्यता, कुशलता तथा इस से होने वाले लाभ, और इन की अनुपस्थिति में होने वाली हानि दोनों में से किसी का बोध तक नही है! तुलना कीजिए, ब्रिटिश राज की तमाम छात्रवृत्तियों, सम्मानों, प्रोत्साहनों, और पदवियों से। कहीं भी उस में लेशमात्र भी मिलावट, प्रोपेगंडा, भेद–भाव, मिथ्याचार, या दिखावे का संकेत नहीं मिलेगा! इस का प्रत्यक्ष प्रमाण यह भी है कि किसी कट्टर से कट्टर राष्ट्रवादी भारतीय ने अंग्रेज शासकों, प्रशासकों, अधिकारियों पर सामान्य पक्षपात या भ्रष्टाचार का आरोप कभी नहीं लगाया। उन का नियमित कामकाज इतनी पारदर्शिता और गुणवत्ता से चलता था। क्या आश्चर्य कि आज देश के सर्वोच्च नेतागण भी भारतीय ज्ञान–ग्रंथों के बारे में शून्य जानकारी रखते हैं। यदि कोई संस्था सर्वेक्षण करे (जो श्प्यू रीसर्च्य जैसी कोई विदेशी ही हो सकती है, देश में अब ऐसी कोई संस्था ही नहीं बची! जो यह करती हो) तो हमारे तमाम मंत्रियों, सासंदों में भारतीय ज्ञान ग्रंथों के पाँच नाम भी बता सकने वाले बिरले ही मिलेंगे। वही देश की शिक्षा, संस्कृति, और विज्ञान, सब के कर्णधार हैं! कहने की जरूरत नहीं कि आम अन्धत्व की स्थिति में इस हाल का मतलब समझने वाले भी बहुत कम हैं। और जो हैं वे असहाय दर्शक भर। अब इस नये प्रसंग को देखें, जो श्मनुस्मृत्यि को फिर दो लात लगाने से जुड़ी है। एक महान ज्ञान–ग्रंथ कृ जिस ने ब्रिटिश राज के दौर में स्वामी दयानन्द और स्वामी विवेकानन्द जैसे महापुरुषों को प्रेरित किया, जिन्होंने देश–विदेश में अनगिनत लोगों को अपनी सीख से लाभान्वित किया। उस ग्रंथ का स्थान देसी राज में यह है कि हर नेता उसे गाली देकर, या जला कर अपने को देश का कर्णधार समझता है! किसी को उसे पढ़ने की जरूरत नहीं। बस, गाली देना पर्याप्त है। जिस से वह प्रगतिशील, बहुजन–हितैषी, समाज सेवक, आदि कहलाने का हकदार हो जाता है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत को क्या लाभ

प्रह्लाद

दिनांक 12 एवं 13 सितम्बर 2026 को ब्रिक्स का 18वां शिखर सम्मेलन दिल्ली के भारत मंडपम में सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया। ब्रिक्स का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग बढ़ाना है। इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के साथ ही 10 अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री एवं उच्च स्तर के अधिकारी शामिल हुए। वर्ष 2025–26 के लिए भारत को ब्रिक्स का अध्यक्ष बनाया गया था, अतः भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी एवं अध्यक्षता की। ब्रिक्स के माध्यम से विश्व की 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं एवं विकासशील देशों को एक मंच प्रदान किया जाता है। ब्रिक्स में शामिल देशों की कुल आबादी विश्व की कुल जनसंख्या का 49.5 प्रतिशत है और विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है तथा वैश्विक व्यापार में 26 प्रतिशत की भागीदारी है। इससे वैश्विक स्तर पर ब्रिक्स का महत्व स्वयं ही स्पष्ट हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय स्थिति, दूरसंचार, कृषि, श्रम, रोजगार, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना, व्यापार और विश्व व्यापार संगठन सहित वैश्विक मुद्दों पर विचार विमर्श करते है। इस वर्ष के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की थीम "लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण" रखी गई थी। शिखर सम्मेलन में 45 पन्नों एवं 140 बिंदुओं के "नई दिल्ली घोषणापत्र" को समस्त सदस्य देशों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था। इस सम्मेलन की यह सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि इस सम्मेलन में आपस में कुछ विरोधाभासी विचार रखने वाले देश (ईरान, साऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात) भी शामिल थे। ईरान के राष्ट्रपति एवं यूएई के राष्ट्रपति के बीच शिखर सम्मेलन के बीच आपस में वार्ता सम्पन्न हुई थी, जबकि दोनों देशों के बीच अमेरिका–ईरान युद्ध के संदर्भ में तनाव की स्थिति कायम है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि ब्रिक्स की स्थापना अमेरिका में हुई है। वर्ष 2006 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौके पर ब्रिक विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में ब्रिक को औपचारिक रूप दिया गया था। ब्रिक का पहिला उद्घाटन शिखर सम्मेलन वर्ष 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था। वर्ष 2010 में न्यूयॉर्क में ब्रिक विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण अफ्रीका को शामिल करने के साथ ब्रिक को ब्रिक्स में विस्तारित करने पर सहमति हुई थी। तदनुसार, दक्षिण अफ्रीका ने 2011 में सान्या में तीसरे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जनवरी 2024 से और इंडोनेशिया जनवरी 2025 में ब्रिकस के पूर्ण सदस्य बने। इसके बाद बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम 2025 में भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में शामिल हुए। भारत के प्रधानमंत्री ने अपने उदबोधन में उक्त ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कई आवश्यक एवं महत्वपूर्ण विषयों की ओर समस्त सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले कई उत्पादों के निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाया था, इसी प्रकार चीन ने भी आवश्यक मिनरल के निर्यात पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे, इस प्रकार की स्थित पुनः न बनें इस हेतु यह सुझाव दिया गया है कि तकनीकी एवं आवश्यक मिनेरल्स को विभिन्न देशों द्वारा हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए इसका सीधा सीधा विपरीत प्रभाव विकासशील देशों के विकास पर पड़ता है। जब हम वैश्विक स्तर पर एक परिवार की बात करते हैं तो प्राकृतिक संसाधनों पर इस धरा पर निवासरत पूरी मानवजाति का समान अधिकार है। इसके उपयोग को कुछ देशों द्वारा रोका नहीं जाना चाहिए। भारतीय सनातन संस्कृति में तो प्रकृति को मां के समान माना जाता है, अतः प्रकृति का शोषण नहीं बल्कि आवश्यकता अनुसार दोहन होना चाहिए। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन भी आवश्यक है। विकास और पर्यावरण एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं केवल आवश्यता है कि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाय। हाल ही के समय में महामारी, जलवायु आपदाओं एवं सप्लाई चौन में रुकावटों ने दिखाया है कि विभिन्न देश एक दूसरे पर किस प्रकार निर्भर है। एक देश में आया संकट दूसरे देश को भी प्रभावित करता हुआ दिखाई दे रहा है। ब्रिक्स के सदस्य देशों को आपस में सहयोग बढ़ाने तथा सप्लाई चौन को मजबूती प्रदान करने की ओर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच आपस में छोटे कारोबारों को बढ़ावा दिए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए और उन्हें नए बाजार और पर्याप्त वित्त की सुविधा उपलब्धा कराए जाने के प्रयास भी होने चाहिए ताकि रोजगार के नए अवसर निर्मित हों और अंतिम पंक्ति पर खड़े नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सके। इसके लिए "ब्रिक्स कनेक्ट" के माध्यम से गरीब नागरिकों को काम के लिए आवश्यक कौशल सीखने, रोजगार के अवसर बढ़ाने एवं मातृशक्ति को अधिक काम के मौके देने का प्रयास किया जाना चाहिए। छोटे कारोबारियों को मदद पहुंचाने के उद्देश्य



से ठत्प्ै डैडम् पोर्टल प्रारम्भ किया गया है। इससे छोटे कारोबारी नए बाजारों से जुड़ सकेंगें। ब्रिक्स देशों में कार्य कर रहे स्टार्टअप्स को आपस में जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्युबेटर नेट्वर्क बनाया जा सकता है। इसी प्रकार, नए और बड़े स्तर के नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड भी बनाया जा सकता है। ब्रिक्स देश आपस में कारोबार को सरल बनाने के उद्देश्य से स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को को राशि भेजना बहुत आसान होगा और अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता कम होगी। ब्रिक्स स्थापना से भारत को विशेष लाभ हुआ है। सामरिक दृष्टि से भारत का वैश्विक स्तर पर महत्व बढ़ा है। भारत आज न केवल ब्रिक्स बल्कि जी–20, जी–7, क्वाड, एससीओ जैसे वैश्विक संस्थानों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है एवं अन्य देश आंज भारत की आवाज को गम्भीरता से सुन रहे हैं।

तो अब शुभेंदु करेंगे गरबा मर्यादा की भी रक्षा

तरुण

जिस प्रकार शुद्ध हिंदू उत्सव गरबा में गैर हिंदुओं को शामिल करने की विकृत सेकुलर आवाजें उठने लगीं हैं उनको देखते हुए लगता है कि मुख्यतः गुजरात और महाराष्ट्र में होने वाले गरबा उत्सवों की मर्यादा रक्षा के लिए तेजस्वी हिंदू



ध्वज वाहक एवं पश्चिम बंगाल के महानायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सहायता मांगने का समय आ गया है । अब सब हैं कि सेक्युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए। गरबा शक्ति की उपासना से जुड़ा पारंपरिक हिंदू पूजा–स्वरूप है। यह धनकुबेरों और हिंदू–भावना विहीन भीड़ के लिए मस्ती–मस्ती का कार्निवल नहीं है। गरबा कोई सेक्युलर मनोरंजन "मेला" नहीं है। यह माँ अम्बा की भक्ति का हिंदू प्रतीक है। जो माँ दुर्गा की पूजा नहीं करते, जो उनके सामने शीश नहीं झुकाते, उनको गरबा में शामिल होने का कोई अधिकार नहीं। इसका मूल रूप और अर्थ हिंदू ब्रह्मांड–दृष्टि, प्रतीकों और दिव्य स्त्री–शक्ति की साधना से आता है। "गरबा" शब्द संस्कृत शब्द "गर्भ" से निकला है। पारंपरिक रूप में नर्तक एक घेरे में गर्भ दीपकृछेदों वाले मिट्टी के घड़े में जलते दीये कृया देवी की मूर्ति के चारों ओर नृत्य अभ्यर्थना करते हैं। दीपक जीवन–शक्ति, शरीर के भीतर दिव्य उपस्थिति और देवी की सृजन–शक्ति का प्रतीक है। वृत्ताकार गति हिंदू चिंतन में काल के चक्रकृसृष्टि, स्थिति और प्रलयकृको दर्शाती है। गरबा शरद नवरात्रि में होता है, अर्थात् दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित नौ रातों में। यह पर्व महिषासुर पर दुर्गा की विजय का स्मरण है, जैसा देवी माहात्म्य (मार्कंडेय पुराण) में वर्णित है। भक्त माँ की स्तुति के गीत (गर्बी) गाते हैं, ताली देते हैं और नृत्य को पूजा तथा कृतज्ञता का माध्यम बनाते हैं। पारंपरिक माहौल में स्थान पवित्र माना जाता हैरू प्रायः नंगे पाँव नाचते हैं, आरती होती है, और केंद्र में दीपक या मूर्ति ही मुख्य रहती है। नवरात्रि व्रत माँ भगवती की भक्ति का चिह्न है। गरबा और डांडिया रास (जहाँ डंडे देवी के आयुधों के प्रतीक हैं) गुजरात में इसी भक्ति की सामाजिक अभिव्यक्ति बने। लोक–नृत्य के रूप में यह शादियों और अन्य अवसरों पर भी होता रहा है, पर इसका सबसे विस्तृत और मुख्य संदर्भ दुर्गा–पूजा का नवरात्रि चक्र ही है। क्योंकि यह रूप देवी और उनके प्रतीकों के इर्द–गिर्द बुना गया है, पारंपरिक हिंदू साधक और संगठन इसे श्रद्धा का कर्म मानते हैं, सेक्युलर–गैरहिंदू मनोरंजन नहीं। जो दुर्गा को दिव्य माता नहीं मानते, मूर्ति–पूजा और धर्मिक विश्वास को अस्वीकार करते हैं, वे इस अनुष्ठान के उद्देश्य से बाहर हैं। गरबा को सिर्फ "फन मेला" कहना उसे उसके धर्मिक अर्थ से काट देता है और पूजा–भक्ति को तमाशा बना देता है। अन्य धर्मों के अनुष्ठानों से तुलना स्वाभाविक है। ईद की नमाज इस्लामी मजहब के अनुसार निर्धारित है। गैर–मुसलमानों से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे औपचारिक नमाज में मजहबी कर्तव्य के रूप में शामिल होंय वह स्थान और स्वरूप उन लोगों का है जो उस आस्था को स्वीकार करते हैं। अनेक परंपराओं में मूल उपासना–कर्म की सीमाएँ ऐसी ही हैं। नवरात्रि में गर्भ दीप या दुर्गा की मूर्ति के चारों ओर होने वाला गरबा उसी श्रेणी का आस्था–विशिष्ट कर्म है, राज्य द्वारा थोपा गया खुला सांस्कृतिक मेला नहीं। आज कई स्थानों पर गरबा अत्यधिक व्यावसायिक हो चुका है और हिंदू–भावना विहीन इवेंट मैनेजरों के हाथों विकृत हो रहा है। समय आ गया है कि अंगद समान हिंदू आस्था और मर्यादा का पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए। यूनेस्को ने 2023 में गरबा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। उसमें इसके हिंदू सामाजिक स्वरूप और शक्तिध स्त्री–ऊर्जा के वृत्त को बनाए रखते हुए लोगों को जोड़ने की क्षमता का उल्लेख है। विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों का कहना सही है कि यह देवी–पूजा का रूप है, इसलिए प्रवेश उन्हीं का हो जो इस आस्था को साझा करते हैं। गरबा स्थलों पर प्रवेश नियंत्रण और पहचान जाँच की माँग इसीलिए है। मिश्रित आयोजनों में तनाव, हिंदू लड़कियों को निशाना बनाने, अपमान और उत्पीड़न की घटनाएँ सामने आई हैं। गैर–हिंदुओं द्वारा हिंदू देवताओं का मजाक उड़ाने और "गरबा के बहाने हिंदू लड़कियों को छेड़ने" की खबरें भी आती रही हैं। हिंदुओं को समावेशिता का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं। भारत का संविधान हिंदू–बहुल समाज में बना। यह कानून के समक्ष समानता, धर्म की स्वतंत्रता और प्रत्येक समुदाय को अपने धार्मिक कार्यों के प्रबंधन का अधिकार देता है। भारतीय संविधान हिंदू समावेशिता की अभिव्यक्ति है। गरबा सनातन धर्म की मर्यादा से बँधा है। हिंदू अपनी संवेदनाओं के अनुरूप प्रवेश की शर्तें रख सकते हैं। मंदिर, मठ और पारंपरिक संप्रदाय पहले से कुछ अनुष्ठान–स्थानों पर मर्यादा के अनुसार प्रवेश नियंत्रित करते हैं। दुर्गा–पूजा पर आधारित सामुदायिक गरबा पर भी वही तर्क लागू होना चाहिए। अब साधु–संन्यासियों और पारंपरिक हिंदू स्वरों से अपील करनी चाहिए कि वे विशिष्ट हिंदू रूपों की मर्यादा स्पष्ट करें और उसकी रक्षा करें। ये माँगें धार्मिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अनुकूल हैं। शास्त्रीय नवरात्रि रूप में गरबा दुर्गा भगवतीकृमाता और शक्ति के स्वरूपकृके प्रति भक्ति का हिंदू अनुष्ठान है। गर्भ–दीप, वृत्ताकार गति, स्तुति–गीत तटस्थ मनोरंजन नहीं हैं। जो यह विश्वास नहीं रखते, वे इसके धार्मिक उद्देश्य से बाहर हैं, जैसे गैर–मुसलमान ईद की औपचारिक नमाज की संरचना से बाहर हैं। अनुष्ठान के पारंपरिक स्वरूप की रक्षा का अर्थ यह नहीं कि नृत्य की व्यापक लोकप्रियता से इनकार किया जाए। अर्थ यह है कि पूजा–केंद्रित कर्म अपने आप खुली सेक्युलर पार्टी नहीं बन जाता। जो आयोजक इसे उपासना मानते हैं, उन्हें भागीदारी का ढाँचा उसी के अनुसार रखने का अधिकार है।

आखिर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर जारी अमेरिकी-चीनी रस्साकसी के बीच करे भारत

कमलेश

वैश्विक पटल पर अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा देखते ही बनती है। इस बार मुद्दा कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई बनी है, वो भी ब्रिक्स 2026 बैठक के तुरंत बाद जिसका अपना महत्व है। चूंकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स देशों को एआई ओपन सोर्स उपलब्ध कराने की घोषणा की थी, इसलिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रतिक्रिया स्वरूप कहा कि एआई की दौड़ में अमेरिका चीन से आगे है? तो सवाल उठना लाजमी है कि कितना आगे? और क्या चीन अगले कुछ वर्षों में इस दूरी को पाट सकता है? सबसे बड़ा सवाल यह कि इस वैश्विक प्रतिद्वंद्विता में भारत को क्या करना चाहिए? इस सभी बिंदुओं को हम आगे एक एक करके स्पष्ट करेंगे। देखा जाए तो एआई सेक्टर में न केवल अमेरिका और चीन के बीच, बल्कि यूरोप और अन्य देशों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है। ऐसे में भारत के सामने चुनौती केवल एआई मॉडल बनाने की नहीं, बल्कि चिप, कंप्यूटिंग, डेटा, प्रतिभा, पूंजी और बाजारकृपूरी एआई वैल्यू चौन में मजबूत होने की है। जहां तक भारत की "।प्आत्मनिर्भरता" का सवाल है तो उसे विदेशी एआई यानी अमेरिका, चीन, यूरोप के एआई पटल को बंद करना नहीं चाहिए, बल्कि इन्हें इतना सक्षम बनना चाहिए कि भारत अपनी जरूरतों के लिए एआई बना सके और दुनिया को भी बेच सके। आपको पता होगा कि अमेरिका के नेतृत्व वाले एआई प्पैक्स सिलिका संगठनष् में 34 देश शामिल हैं, जिसमें भारत भी एक है। वहीं, चीनी नेतृत्व वाले प्वर्ल्ड एआई कोआपरेशन ऑर्गेनाइजेशनष् में 29 देश शामिल हैं। फिर भी ब्रिक्स देशों को चीन ने जो आकर्षक ऑफर दिया है उससे निकट भविष्य में पूरा खेल बदल सकता है। ऐसा इसलिए कि अमेरिकी एआई कंपनियों ने एआई की प्रगति को श्स्लोडाउनश करने का आह्वान किया है। चूंकि अब अमेरिका के भीतर ही एआई की प्रगति को लेकर विरोधाभास सामने आ रहा है और ट्रंप प्रशासन की तरफ से अमेरिकी कंपनियों को एआई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में अमेरिकी हितों को प्राथमिकता की बात हो रही है, इसलिए पैक्स सिलिका संगठन के अन्य 33 देशों का दिग्भ्रमित होना स्वाभाविक है। ऐसे में यदि चीन, भारत और यूरोप आपसी समझदारी विकसित करके अमेरिका को मात दे दें तो किसी के लिए भी हैरत की बात नहीं होगी। क्योंकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स के मंच से कहा है कि चीन ब्रिक्स के लिए ओपन सोर्स एआई समुदाय बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा, बड़े भाषा मॉडल के विकास व उपयोग में सहयोग देगा, विशेष प्रशिक्षण आयोजित करेगा, और खुला एआई पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा करेगा। खास बात यह कि यह प्रस्ताव उस पृष्ठभूमि में आया है जब चीनी कंपनियां ओपन सोर्स मॉडल पर जोर दे रही हैं, जबकि अमेरिकी दिग्गज कंपनियां अधिक बंद, फ्रंटियर मॉडल पर काम कर रहे हैं। चूंकि भारत इस प्रतिद्वंद्विता को पहचान रहा है, इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स बैठक में चेतावनी देते हुए साफ कहा था कि तकनीक और क्रिटिकल मिनरल्स का हथियार बनाना साझा प्रगति में बाधा बन सकता है। इससे भारत की नीति स्पष्ट है। देखा जाए तो दुनिया में एआई आधारित प्रौद्योगिकी को लेकर जो तगड़ी लामबंदी चल रही है, उसमें अमेरिका ने बेहद उच्च गुणवत्ता वाले चिप्स, सेमीकंडक्टर उपकरण, क्लाउड एक्सेस और कुछ फ्रंटियर मॉडल पर निर्यात नियंत्रण लागू करते हुए इन्हें सिर्फ श्भरोसेमंद साझेदारोंश के साथ साझा करने की व्यवस्था करने का ऐलान किया है। कहने का तात्पर्य यह कि शेष देशों में एआई के मामले में अमेरिका या चीन में से किसी एक को ही चुनने का दबाव बनाया है और दोनों को चुनने का रास्ता अमेरिका ने लगभग बंद कर दिया है। चूंकि भारत भी पैक्स सिलिका का सदस्य है और ट्रंप ने खाड़ी देशों को भी चिप्स व निवेश के सौदे से जोड़ा है। उन्होंने अपने एआई स्टैक को निर्यात कूटनीति का हिस्सा बनाया है। इसलिए अमेरिका को रणनीतिक जवाब देते हुए चीन ने रेअर अर्थ मिनरल्स के निर्यात को नियंत्रित कर दुनिया को समझा दिया कि वह प्रौद्योगिकी की दुनिया में कितनी अफरातफरी मचा सकता है। आज चीनी गुट में रूस, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और पाकिस्तान समेत 29 देश शामिल हैं। आपको याद दिला दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ष्जो एआई जीतेगा, वही जीतेगाष् इस क्षेत्र में जारी वैश्विक प्रतिद्वंद्विता को दर्शाता है। हालांकि, एआई अब एकतरफा अमेरिकी वर्चस्व की कहानी नहीं रही, बल्कि चीन जैसे दूसरे ध्रुव से मिल रही कड़ी तकनीकी प्रतिस्पर्धा की मिशाल बन चुकी है। यदि सितंबर 2026 की स्थिति को देखें, तो तकनीकी रूप से अमेरिका का पलड़ा अभी भी चीन से भारी है, लेकिन यह अंतर पहले की तुलना में काफी कम हुआ है और अगले कुछ वर्षों में चीन इस दूरी को पाटकर आगे भी निकल सकता है, बशर्ते कि भारत जैसे मजबूत पड़ोसी का साथ उसे मिल जाए। तकनीकी अध्ययन भी जाहिर करते हैं कि एआई अब एकतरफा अमेरिकी वर्चस्व की कहानी नहीं, बल्कि दो ध्रुवों की कड़ी तकनीकी प्रतिस्पर्धा बन चुकी है। इसलिए आइए जानते हैं कि किस क्षेत्र में कौन (अमेरिका या चीन) आगे? यानी कि आठ क्षेत्रों में पांच में अमेरिका और तीन में चीन को बढ़त प्राप्त है। यदि आप ब्लूकिंग्स के अप्रैल 2026 के आकलन पर गौर करेंगे तो उसके अनुसार चीन के शीर्ष कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल अभी अमेरिकी फ्रंटियर मॉडल से कुछ महीने या अधिक पीछे हैं और अमेरिकी मॉडल तार्किक क्षमता, गणित, कुटलेखन तथा लंबे समय वाले स्वायत्त कार्य या दीर्घकालिक



एजेंट–आधारित कार्य में समग्र बढ़त रखते हैं।जहां तक भारत की सबसे बड़ी संभावित ताकत की बात है तो अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि।अमेरिका के पास नवोन्मेष और पूंजी है, चीन के पास स्केल और विनिर्माण है, जानकी भारत अपनी प्रतिभा, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, बहुभाषी आंकड़ा, न्यूनतम लागत वाला नवोन्मेष और बृहत बाजार को जोड़कर अपना मॉडल बना सकता है। इसलिए भारत, अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक संतुलन साधते हुए खुद को किसी एक कैंप का तकनीकी उपग्रह नहीं बनना चाहिए, बल्कि अमेरिका से एडवांस चिप्सधअनुसंधान, जापान–कॉरिया से सेमी कंडक्टर सहयोग, यूरोप से जिम्मेदार एआई मानक और अन्य देशों से डेटासेट्सध मार्केट्स के मद्देनजर सबके साथ साझेदारी करनी चाहिए।यह बात दीगर है कि आज अमेरिका स्पष्ट लेकिन घटती हुई बढ़त पर है और अगले 3द्5 साल के दरम्यान ही अमेरिका व चीन का मुकाबला बेहद करीबी हो सकता है। जबकि दीर्घकाल में चीन की विशाल विनिर्माण क्षमता और राज्य–समर्थित निवेश के कारण अमेरिकी बढ़त को स्थायी मानना सुरक्षित नहीं है। इसलिए इसे "अमेरिका बन

होमगार्ड भर्ती की फिजिकल दौड़ में दो युवकों के पैर में फ्रैक्चर, चार गिरे



ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान गुरुवार को सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्धीकपुर स्थित इंदिरा गांधी स्टेडियम में चार अभ्यर्थी दौड़ते समय गिरकर घायल हो गए। इनमें दो युवकों के पैर में फ्रैक्चर होने की बात सामने आई है। दोनों को मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। प्रयागराज निवासी आशीष यादव (30) पुत्र विजय शंकर यादव और संजय गौड़ (25) होमगार्ड भर्ती की फिजिकल दौड़ में शामिल होने पहुंचे थे। बताया गया कि दौड़ के अंतिम चरण में अचानक दोनों गिर पड़े, जिससे उनके पैर में गंभीर चोट आई। इसी दौरान दो अन्य अभ्यर्थी भी चक्कर आने के कारण गिरकर घायल हो गए। मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासन की टीम ने सभी घायलों को स्ट्रेचर की मदद से एंबुलेंस तक पहुंचाया। इसके बाद उन्हें उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, सिद्धीकपुर ले जाया गया। चिकित्सकों ने तत्काल एक्स–रे कराया। जांच में आशीष और संजय के पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके बाद दोनों के पैर में प्लास्टर लगाया गया। चिकित्सकों ने जरूरत के अनुसार 24 घंटे के भीतर ऑपरेशन किए जाने की बात कही है। दोनों को इमरजेंसी में भर्ती कर चिकित्सकों की निगरानी में उपचार किया जा रहा है। सिद्धीकपुर बूथ चौकी प्रभारी जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि फिजिकल दौड़ के दौरान चार अभ्यर्थी चक्कर आने से गिर गए थे। सभी को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। बाद में परिजन चारों को अपने साथ ले गए।

पीयू में धूमधाम से किया गया भगवान विश्वकर्मा का पूजन



ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की वर्कशॉप में गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा पूजा का भव्य आयोजन किया गया। तकनीकी सृजन, निर्माण और श्रम के आराध्य भगवान विश्वकर्मा के पूजन के अवसर पर वर्कशॉप परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार, हवन और आरती से भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद यादव एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संदीप कुमार सिंह ने धूप–दीप के साथ भगवान विश्वकर्मा का विधिवत पूजन–अर्चन किया। इसके बाद हवन एवं आरती का आयोजन हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र–छात्राओं ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. रितेश बरनवाल एवं फोरमैन संतोष उपाध्याय ने भी विद्यार्थियों के साथ पूजा, हवन और आरती में भाग लिया। विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के महामंत्री श्री राधेश्याम सिंह 'मुन्ना' सहित मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्राध्यापक डॉ. दीप प्रकाश सिंह, डॉ. नवीन चौरसिया, डॉ. हेमंत कुमार सिंह, डॉ. हिमांशु तिवारी, डॉ. अंकुश गौरव एवं डॉ. सुबोध कुमार उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त फोरमैन के.के. मिश्र, मैकेनिक ओम प्रकाश यादव, वेल्डर राकेश कुमार, फिटर सहित अन्य कर्मचारी तथा छात्र अभिभावक श्री अच्छे लाल यादव ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। पूजा समारोह में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। बी.टेक. एवं मैकेनिकल पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों ने वर्कशॉप की सजावट में सक्रिय भूमिका निभाई। विद्यार्थियों ने तकनीकी शिक्षा से जुड़े अपने कार्यस्थल को भगवान विश्वकर्मा के प्रति श्रद्धा और सम्मान के साथ सजाकर आयोजन को विशेष रूप दिया। कार्यक्रम के दौरान तकनीकी शिक्षा, श्रम, कौशल और सृजन के महत्व को रेखांकित करते हुए भगवान विश्वकर्मा के प्रति श्रद्धा व्यक्त की गई।

सेवा,संकल्प अभियान के तहत जिला चिकित्सालय पर हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सेवा,संकल्प अभियान के शुभारंभ पर ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति, सिंगरामऊ द्वारा जिला चिकित्सालय, जौनपुर स्थित ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि माननीय मंत्री ने कहा कि रक्तदान एक महान सामाजिक दायित्व है और स्वस्थ नागरिकों को मानव जीवन की रक्षा के लिए स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल जी ने कहा कि जिंदगी और मौत से जूझ रहे मरीज को बचाने के लिए जो रक्त चाहिए, वह केवल और केवल किसी संवेदनशील इंसान की रगों से ही आ सकता है। इसलिए कहा गया हैकृष्रक्तदान महादान। शिविर में 60 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 41 रक्तदाता रक्तदान के लिए उपयुक्त पाए गए। सभी पात्र रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्या,जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति,रामसूरत मौर्या,सीएमएस डॉ संजय कन्नौजिया,प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नरेन्द्र, चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष, परियोजना प्रमुख महेन्द्र कुमार शुक्ला, सौम्या, सद्दाम, तौफीक, शानू, हृदयराम कुशवाहा, शालिनी मौर्या, साकेत प्रधान तथा चन्द्र प्रकाश सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रक्तदान करने वाले प्रमुख रक्तदाताओं में वैभव, प्रीतम कुमार, अंकित पटेल, अभिषेक सिंह, हर्ष शर्मा, सूर्यांश सिंह, अशोक सिंह, बलवीर सिंह, इशांत शाही, अरुण सारू, खुशी यादव, राजन पाल, अजय कुमार, इलू प्रसाद, सनी यादव एवं ज्योतिष यादव सहित अन्य रक्तदाता शामिल रहे। मुख्य अतिथि,जिलाधिकारी द्वारा सभी रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र एवं मोमेंटो प्रदान किया गया तथा संस्था को सामाजिक कार्यों में सहभागिता हेतु सराहना की। अंत में संस्था की प्रबंधक एवं सचिव डॉ अंजू सिंह ने रक्तदाताओं तथा ब्लड बैंक की पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

नामी कंपनी की बोरियों में पैक कर रहे थे खराब सीमेंट, गोदाम सील, एक हिरासत में

गोरखपुर, (संवाददाता)। गुलरिहा थाना क्षेत्र के सरहरी चौकी अंतर्गत ठाकुरपुर नंबर दो के बोहा टोला के पास स्थित एक गोदाम में ब्रांडेड कंपनी की बोरियों में डैमेज सीमेंट की री–पैकिंग किए जाने का मामला सामने आया है। मंगलवार सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोदाम की जांच के बाद उसे सील कर दिया।



मौके पर मिले एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि री–पैकिंग कर रहे तीन मजदूर पुलिस को देखकर मौके से भाग निकले। पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि गोदाम में विभिन्न कंपनियों के खराब और डैमेज सीमेंट को अल्ट्राटेक की बोरियों में भरकर बिक्री के लिए तैयार किया जा रहा है। गोदाम से विभिन्न कंपनियों के डैमेज सीमेंट की बोरियां, अल्ट्राटेक की नई खाली बोरियां और री–पैकिंग के उपकरण मिले। अल्ट्राटेक सीमेंट के एरिया मैनेजर सुदीप कुमार सेल्स और तकनीकी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सीमेंट को कंपनी का असली उत्पाद होने से इन्कार किया। सीओ रवि सिंह के मुताबिक, हिरासत में लिए गए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। फरार मजदूरों की तलाश भी की जा रही है।

शाहगंज में 'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ, रक्तदान शिविर आयोजित



ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर गुरुवार को शाहगंज तहसील स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने किया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर सहित विभिन्न जनसेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाहगंज विधायक रमेश सिंह समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे। रक्तदान करने वाले लोगों का उत्साहवर्धन करते हुए मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि रक्तदान महादान है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी, प्रसव और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर रक्त की उपलब्धता किसी जरूरतमंद के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का ऐसा कार्य है, जिसमें प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में जनसेवा को राष्ट्रसेवा का माध्यम बनाया है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा सेवा भावना को जनभागीदारी से जोड़ना उनकी प्रमुख प्रेरणाओं में रहा है। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर प्रदेशभर में आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' इसी भावना को व्यापक जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास है। मंत्री ने कहा कि शाहगंज में रक्तदान के माध्यम से लोगों ने सेवा और संवेदना का संदेश दिया है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से 'जनसेवा से राष्ट्रसेवा' के संकल्प के साथ समाज और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आने वाले प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य सेवाएं और आवश्यक सुविधाएं सहज, सुगम एवं समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराई जाएं। इस अवसर पर विधायक रमेश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना सामूहिक जिम्मेदारी - गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत गुरुवार को नगर के हनुमान घाट पर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने सहभागिता करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया। इस अवसर पर राज्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर जनपद के निर्माण के लिए स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ, स्वच्छ और सुव्यवस्थित समाज के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि जौनपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के साथ ही दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करना चाहिए। स्वच्छता के प्रति जन–जागरूकता और जनभागीदारी को निरंतर बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। अभियान के दौरान नगर के हनुमान घाट परिसर में स्वच्छता कार्य किया गया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्ष मनोरमा मौर्य, जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन., मुख्य राजस्व अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

डंपर से डीजल चोरी कर रहा था चालक, नगर आयुक्त को देखते ही भागा, एफआईआर दर्ज

गोरखपुर, (संवाददाता)। मूर्ति विसर्जन स्थल का सोमवार सुबह निरीक्षण करने जा रहे नगर आयुक्त अजय जैन ने डोमिनगढ़ पंपिंग स्टेशन के पास नगर निगम के डंपर से डीजल निकाले जाने की घटना देख ली। नगर आयुक्त को देखते ही डंपर का चालक मौके से भाग गया। नगर आयुक्त ने संबंधित चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए। मंगलवार को तिवारीपुर थाने में नगर निगम के मुख्य सफाई व खाद्य निरीक्षक राम विजय पाल की तहरीर पर चालक आनंद प्रकाश के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया।एफआईआर के मुताबिक आनंद प्रकाश नगर निगम में संविदा पर चालक के रूप में कार्यरत था। वह नगर निगम के डंपर को चलाता था। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि चालक की ओर से डंपर से डीजल का गबन किया जा रहा था। जानकारी होने पर नगर निगम के अधिकारियों ने इसकी पड़ताल की और डंपर चालक की ओर से डीजल निकालने की घटना सामने आने की बात तहरीर में कही गई है। नगर निगम के अधिकारियों की ओर से बताया गया कि चालक को आउटसोर्सिंग के तहत नगर निगम



में रखा गया था। घटना सामने आने के बाद अधिकारियों ने उसे तत्काल प्रभाव से सेवा से वंचित कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि डीजल चोरी के मामले में विभागीय स्तर पर भी जांच कराई जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि डीजल निकालने की घटना कब से चल रही थी और इसमें और कोई कर्मचारी शामिल है या नहीं। एफआईआर में आरोपी आनंद प्रकाश का पता पथरा, बड़गो, थाना रामगढ़ताल, गोरखपुर दर्ज है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक सुरेंद्र गुप्ता को सौंपी गई है। पुलिस अब डंपर से डीजल निकाले जाने के तरीके, इसकी मात्रा और घटना में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका समेत अन्य पहलुओं की जांच करेगी।

'मेदांता में जीभ के कैंसर की जटिल सर्जरी के बाद बोलने और खाने की क्षमता बरकरार, 6 साल बाद भी सामान्य जीवन जी रहा 37 वर्षीय मरीज'

'लखनऊ,। करीब 10 साल से जीभ के बाईं तरफ एक गांठ के साथ रह रहे 37 वर्षीय युवक के लिए हालात तब गंभीर हो गई, जब यह समस्या कैंसर में बदल गई और धीरे–धीरे जीभ के अंदरूनी हिस्से तक फैल गई। डॉ. विवेकानंद सिंह, डायरेक्टर, हेड एंड नेक कैंसर, मेदांता हॉस्पिटल और डॉ. पीयूष, कंसल्टेंट, हेड एंड नेक कैंसर, मेदांता हॉस्पिटल द्वारा की गई जांच में सामने आया कि ट्यूमर जीभ के बीच वाले हिस्से से होते हुए निचले जबड़े की तरफ बढ़ रहा था। एमआरआई में यह भी पता चला कि कैंसर जीभ के नीचे की मांसपेशियों और मुंह के निचले हिस्से तक पहुंच चुका था। ऐसे में डॉक्टरों के सामने सिर्फ कैंसर को निकालने की चुनौती नहीं थी। मरीज के लिए बोलना और लोगों से बातचीत करना उसके काम का अहम हिस्सा था। इसलिए यह भी जरूरी था कि सर्जरी के बाद वह दोबारा बोल सके, खा सके और अपनी सामान्य जिंदगी में लौट सके। मेदांता, लखनऊ में सर्जरी के दौरान जीभ में कैंसर वाला हिस्सा निकाला गया। साथ ही गर्दन के उसी तरफ के लिम्फ नोड्स भी हटाए गए, जहां कैंसर



फैला हुआ था। इसके बाद सबसे बड़ी चुनौती थी जीभ को दोबारा बनाना। आमतौर पर इसके लिए हाथ के निचले हिस्से से टिश्यू लिया जाता है लेकिन इस मरीज के हाथ में पहले चोट लग चुकी थी। ऐसे में डॉक्टरों ने ऊपरी बांह से टिश्यू लेकर जीभ का नया हिस्सा बनाया। इस सर्जरी का मकसद सिर्फ खाली जगह भरना नहीं था। कोशिश यह थी कि नई जीभ इस तरह बनाई जाए कि मरीज के लिए बोलना और खाना यथासंभव आसान बना रहे। सर्जरी के बाद मरीज की रिकवरी अच्छी रही और उसे पांचवें दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। आज इस सर्जरी को छह साल हो चुके हैं। मरीज सामान्य जिंदगी जी रहा है और अपने काम पर भी वापस लौट चुका है। एक सेल्सपर्सन होने के नाते बातचीत उसके काम का जरूरी हिस्सा है और अब वह फिर से लोगों से बात कर पा रहा है। उसकी आवाज भी लगभग सामान्य है। यह मामला बताता है कि कैंसर के इलाज में सिर्फ बीमारी को हटाना ही सफलता नहीं है। कई बार असली चुनौती मरीज की जिंदगी को भी बचाए रखने की होती है ताकि वह इलाज के बाद फिर से अपने परिवार, अपने काम और अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में लौट सके।

जौनपुर नपा ने 5 हजार भवन स्वामियों को भेजे टैक्स नोटिस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में नगर पालिका परिषद ने सीमा विस्तार के बाद शामिल किए गए नए वार्डों में कर वसूली की प्रक्रिया तेज कर दी है। मीरपुर और सैदनपुर वार्ड में सर्वे पूरा होने के बाद करीब पांच हजार भवन स्वामियों को हाउस और वाटर टैक्स जमा करने के लिए नोटिस भेजे गए हैं। नोटिस के माध्यम से भवन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज भी मांगे गए हैं। नगर पालिका परिषद में कुल 39 वार्ड हैं। इनमें से अभी तक 31 वार्डों से ही नियमित रूप से राजस्व की वसूली की जा रही थी। वर्ष 2017 में सीमा विस्तार के दौरान आठ नए वार्ड नगर पालिका में शामिल किए गए थे। इनमें मीरपुर और सैदनपुर वार्ड का सर्वे पूरा हो चुका है, जबकि शेष छह वार्डों में सत्यापन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। नगर पालिका के अधिकारियों के अनुसार कलीचाबाद, चांदपुर, गंगापट्टी, डेरायूसुफ, हरदीपुर और देवचंदपुर वार्ड में भी भवनों के सत्यापन का कार्य जल्द पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद इन क्षेत्रों में भी कर निर्धारण और वसूली की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी धर्मराज ने गुरुवार को बताया कि सीमा विस्तार के बाद नगर पालिका में शामिल हुए नए वार्डों के भवन स्वामी भी अब कर के दायरे में आएंगे। दो वार्डों में सर्वे पूरा होने के बाद भवन स्वामियों को नोटिस भेजकर दस्तावेज मांगे गए हैं। निर्धारित समय में जवाब या दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर नियमानुसार कर की वसूली की जाएगी। उन्होंने बताया कि नगर पालिका का मुख्य जोर राजस्व बढ़ाने पर है। कर निरीक्षकों को अलग–अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपकर उनकी जवाबदेही तय की गई है। वर्तमान में नगर पालिका प्रतिदिन करीब दो लाख रुपये का राजस्व वसूल रही है।

स्नान के लिए लगी लंबी कतार, आज रात से संतान प्राप्ति की कामना से लगेगी डुबकी

वाराणसी, (संवाददाता)। सूर्य उपासना का पर्व लोलार्क छठ पर भदैनी स्थित प्राचीन लोलार्क कुंड में 17 सितंबर को स्नान होगा। संतान की प्राप्ति के लिए 10 से अधिक राज्यों के दंपती आस्था की डुबकी लगाएंगे। कुंड में स्नान बुधवार की



मध्यरात्रि से ही शुरू हो जाएगा। दंपती मंगलवार को ही कुंड पर पहुंचने लगे। सोनारपुरा से अस्सी मार्ग पर लगे बैरिकेडिंग में दंपती कतारबद्ध देर रात तक एक किमी लंबी कतार लग गई। प्रशासन की तरफ से वहां मुकम्मल तैयारी की गई है। 17 को सुबह 6:31 से 10:26 बजे तक स्नान व पूजा का सर्वोत्तम मुहूर्त बन रहा है। स्नान के लिए एक लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ होगी। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 16 सितंबर को सुबह 8:55 बजे से अगले दिन सुबह 10:26 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के चलते 17 को लोलार्क षष्ठी मनाई जाएगी। लोलार्क षष्ठी पर्व लक्खा मेले में शुमार है। स्नान के लिए मंगलवार से ही सोनारपुरा की तरफ और अस्सी की तरफ करीब ढाई किमी में बैरिकेडिंग की गई। लोलार्केश्वर महादेव के महंत परिवार के पं. अजय शंकर पांडेय ने बताया कि बुधवार की रात में 11 बजे बाबा का रुद्राभिषेक व षोडशोपचार पूजन होगा। इसके बाद रात में 12 बजे के बाद से स्नान शुरू हो जाएगा, जो अगले दिन रात तक चलेगा। यहां स्नान के लिए पूर्वांचल के अलावा दिल्ली, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों से श्रद्धालु आएंगे। मान्यतानुसार संतान प्राप्ति की कामना के लिए दंपती इस कुंड में स्नान करते हैं। स्नान के अलावा जिनको संतान की प्राप्ति हो गई है, वे मन्नत उतारने के लिए आते हैं। इस बार सात साल बाद लोलार्क षष्ठी पर सात महायोग बन रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत–2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, 2026 तक किया जाना है। अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर 2026 को प्रातः 8.00 बजे मेडिकल कॉलेज जौनपुरधजिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर आयोजन किया जायेगा। प्रातः 10.00 बजे चिकित्सालयों में फल वितरण किया जायेगा। सायं 7.00 बजे गोमती घाट में 25 हजार दीप प्रज्वलित और लेजर लाइट शो का आयोजन किया जायेगा। इसके साथ ही कलेक्ट्रेटधविकास भवन, शाही किला, पुलिस लाइन, इंदिरा गांधी स्टेडियम, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, लोहिया पार्क, रोडवेज, मेडिकल कॉलेज, अंबेडकर पार्क, गांधी तिराहा सहित अन्य स्थानों पर दीप प्रज्वलित किया जायेगा।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत लाभार्थीपरक योजनाओं के प्रमाण पत्र एवं दिव्यांगजन सहायक उपकरणों का हुआ वितरण



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों की अविरल जनसेवा के सम्मान में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन, हरदोई द्वारा श्रीश चन्द्र बारात घर, हरदोई में अन्तर्विभागीय लाभार्थीपरक योजनाओं के प्रमाण पत्र एवं दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, आबकारी एवं मद्यनिषेध विभाग, उत्तर प्रदेश शासन नितिन अग्रवाल जी रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष, हरदोई श्री अजीत सिंह बब्बन जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के चयनित लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाण पत्र, सहायता सामग्री एवं दिव्यांगजन सहायक उपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान उद्योग विभाग द्वारा 10 लाभार्थियों को टूलकिट प्रदान की गई। दिव्यांगजन पेंशन योजना के अंतर्गत 10 नए लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री आवास योजना के 5 लाभार्थियों को आवास की चाबी तथा 15 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 दिव्यांगजनों को यूडीआईडी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जिला प्रोबेशन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना एवं स्पॉन्सरशिप योजना के 5 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र अथवा प्रमाण पत्र तथा जिला पूर्ति विभाग द्वारा 5 पात्र लाभार्थियों को अन्त्योदय राशन कार्ड वितरित किए गए। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा 50 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल एवं सामान्य ट्राइसाइकिल सहित विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए गए। सहायक उपकरण प्राप्त करने के उपरान्त लाभार्थियों के चेहरों पर प्रसन्नता दिखाई दी। मुख्य अतिथि नितिन अग्रवाल जी ने सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले दिव्यांगजनों से संवाद किया तथा उनके अनुभवों एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार समाज के प्रत्येक पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें अधिक स्वतंत्र, आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन जीने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कोई भी पात्र व्यक्ति जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने इस अवसर पर सभी को बधाई एवं शुभकामनायें की तथा सभी से अपील की कि मा0 प्रधानमंत्री जी की दीर्घायु की कामना करते हुये आशीर्वाद का दिया अवश्य जलाये। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि ने सहायक उपकरणों के लाभार्थियों के साथ सामूहिक छायाचित्र कराया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल, नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय निगम, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी शशांक सिंह, जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी–कर्मचारी, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मनीष मिश्रा ने किया। इसके पूर्व मा0 मंत्री श्री नितिन अग्रवाल ने स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारम्भ किया। उन्होंने सभी से अपील की कि अधिक से अधिक रक्तदान कर सेवा सकंल्प अभियान को सफल बनाये। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन सहित सम्बन्धित अधिकारी भी उपस्थित रहें। इसके साथ ही पुलिस लाइन मे भी स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे बड़ी संख्या मे लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर आरआई यशवंत प्रताप सिंह सहित चिकित्सा विभाग की टीम उपस्थित रही।

सपा की सदस्यता ग्रहण करके आए सूर्यकांत पांडे व लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने पर मोहम्मद सुहैल का हुआ स्वागत

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय पर सपा की सदस्यता ग्रहण करके आए सूर्यकांत पांडे व लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने पर मोहम्मद सुहैल का स्वागत हुआ।गुरुवार को समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय लोहिया भवन पर प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के समक्ष सूर्यकांत पांडे ने अपने बहुत से साथियों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने पर एवं मोहम्मद सोहेल को लोहिया वाहिनी का राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व महासचिव हामीद जाफर मीसम के नेतृत्व में महानगर पार्टी कार्यालय पर पार्टी पदाधिकारी फ्रंटल संगठन के नेताओं पार्षदों और कार्यकर्ताओं के साथ माला पहनाकर व एक दूसरे का मुंह मीठा कर जोरदार स्वागत किया पार्टी प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया पार्टी कार्यालय पर विश्वकर्मा पूजा के अवसर विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा सूर्यकांत पांडे एवं उनके साथियों को पार्टी में शामिल होने से पार्टी और मजबूत हुई है एवं आने वाले 2027 के चुनाव में जिले की पांचो सीट जीतकर प्रदेश में अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बना कर प्रदेश को खुशहाली एवं तरक्की के रास्ते पर ले जाने का काम



करेंगे।निवर्तमान महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि दादा सूर्यकांत पांडे एवं उनके साथियों को पार्टी मे सदस्यता ग्रहण करने पर अपनी शुभकामना देते हुए पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए लग जाने के लिए कहा महासचिव हामिद जाफर मीसम ने मोहम्मद सुहैल को लोहिया वाहिनी का राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने पर पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए कहा मोहम्मद सोहेल को पार्टी नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी दी है उसको वह बेखुदी निभाते हुए लोगों के बीच में पार्टी की नीतियों का प्रचार प्रसार करेंगे।इस मौके पर निवर्तमान महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव विधानसभा अध्यक्ष रक्षा राम यादव,महासचिव हामिद जाफर मीसम उपाध्याय चौधरी श्रीचंद यादव प्रदेश सचिव रामअचल यादव बलराम मौर्य,प्रवक्ता राकेश यादव राष्ट्रीय महासचिव अधिवक्ता सभा शावेज जाफरी,वरिष्ठ नेता छेदी सिंह, लड्डू लाल अधिवक्ता सभा महानगर,अध्यक्ष लाल बहादुर शुक्ला,जगन्नाथ यादव, वीरेंद्र गौतम, चौधरी बलराम यादव दान बहादुर सिंह, महिला अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल, रामबख्श यादव,जसवीर सिंह, पार्षद राम भवन यादव कृष्ण गोपाल यादव सुरेंद्र यादव, वसी हैदर गुड्डू, लल्लूर यादव राम अजोर यादव , शादाब खान,अंसार अहमद ,राजनाथ यादव,शिवांशु तिवारी, गोविंद यादव, पीके तिवारी,शमशेर यादव, अजय यादव चंदन यादव, बाबूलाल गौड़ नौशाद मामा, अमन सागर अंकित पांडे, सरिक, संजीत सिंह, इमरान खान लक्ष्मण कनौजिया, अखिलेश पांडे, जितेंद्र यादव मुकेश प्रधान, करण यादव, अजय यादव, संटी तिवारी ज्ञानेंद्र शुक्ला, अंशु सिंह , सुल्तान खान, काकू सिंह,सत्यम यादव रामदुलारे,राजेंद्र,आदि लोग मौजूद रहे।

सोशल मीडिया से दूर रहे यूपी एसएसएस सी के मेधावी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग जूनियर अस्सिटेंट परीक्षा पास कर अपने को चयनित कराने वाले मेधावियों की कार्य शैली आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणादाई है।वर्तमान में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र छात्राओं को इनसे सीखना चाहिए।कड़ी मेहनत, अनुशासित जीवन, लक्ष्य सर्वोपरि को सामने रखकर सफलता हासिल करने वालों ने बातचीत में जो बताया उसमें एक चीज बहुत महत्वपूर्ण बनकर सामने उभरी वह है सोशल मीडिया जिससे इन होनहारों ने कभी रिश्ता नहीं रखा। व्हाट्सएप, फेसबुक और एक्स जैसे प्लेटफार्म इनके लिए बेकार के रहे।गोंडा के निवासी खेमकरनपुर में मामा के घर रहकर तैयारी कर सफलता पाने वाले उत्तम तिवारी इनकी दो सगी बहने उपमा और गरिमा हों या उचितपुर निवासी अधिवक्ता अरुण दुबे के पुत्र पुष्कर दुबे, और खुदियापुर निवासी देवराज वर्मा की पुत्री आकांक्षा वर्मा सबने इस बात पर जोर दिया कि सफलता की कुंजी कड़ी मेहनत, अनुशासित और लक्ष्य परख जीवन ही है। तिवारी परिवार के तीनों भाई–बहन कहते हैं सफलता की ओर बढ़ने से रोकने में वर्तमान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भूमिका अहम है। इसका प्रभाव सकारात्मक कम नकारात्मक ज्यादा होता है। तैयारी के दौरान इससे दूर रहने में ही भलाई है हम तीनों इससे बहुत दूर रहे। मोबाइल का प्रयोग केवल बातचीत और ज्ञान के आदान–प्रदान तक रहे तो बेहतर होगा।हालांकि सोशल मीडिया के कुछ प्लेटफार्म इंटरनेट और सामान्य ज्ञान जैसे भंडार होनहारो की तैयारी में मददगार हो सकते हैं इस बात को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। लेकिन सफलता पाने वालों के अनुभव बताते हैं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लगाव फायदा कम नुकसान ज्यादा कर सकता है।

मां बेटी की हत्या के मामले में 25000 का इनामी वांछित आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या।थाना पूराकलंदर थाना क्षेत्र के कन्दैला गांव में पिछले माह 25 अगस्त को हुई मां–बेटे की मौत के मामले में पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामी वांछित आरोपी विजयभान सिंह को गिरफ्तार किया है।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना पूरा कलंदर अश्वनी कुमार पांडे ने बताया कि 25 अगस्त की शाम करीब छह बजे कन्दैला गांव में पुराने जमीन और रास्ते के विवाद को लेकर रामलगन मौर्या और उनकी मां पार्वती देवी पर गोली और बम से हमला किया गया था।घटना में रामलगन मौर्या की मृत्यु हो उसी समय हो गई थी,जबकि गंभीर रूप से घायल पार्वती देवी का लखनऊ स्थित केजीएमयू ट्रामा सेंटर में उपचार चल रहा था।उपचार के दौरान 14 सितंबर को पार्वती देवी की भी मृत्यु हो गई थी।बताया इस मामले में वांछित आरोपी विजयभान सिंह पुत्र स्व. जैसराज सिंह, निवासी ग्राम कन्दैला को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किए जाने की कार्रवाई की गई।बताया कि मुकदमे में नामजदध्वांछित अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।बताया कि इस आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में उनके अलावा निरीक्षक प्रदीप कुमार यादव,उप निरीक्षक बब्लू जायसवाल, उप निरीक्षक अमरेन्द्र प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल सुशील विश्वकर्मा, कांस्टेबल सत्यपाल यादव और रिजर्व कांस्टेबल राज कुशवाहा शामिल रहे।

गड्ढों में तब्दील शहर की सड़कें दुर्घटना को दे रही दावत



अयोध्या।शहर के अश्विनीपुरम कॉलोनी,लालबाग, फतेहगंज हनुमानगढ़ी के सामने से कसाबबाड़ा संपर्क मार्ग, हैदरगंज समेत कई प्रमुख सड़कों पर बड़े–बड़े गड्ढे राहगीरों के लिए मुसीबत बने हुए हैं।खासकर बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का पता नहीं चलता और दोपहिया वाहन चालक आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं।बताते चले कि अश्विनीपुरम कॉलोनी के मुख्य मार्ग पर स्थित बड़ा गड्ढा विशेष रूप से खतरनाक दिखाई दे रहा है।स्थानीय लोगो का मानना है कि इस मार्ग से भोर से देर रात तक दोपहिया,चार पहिया व अन्य वाहनों का आवागमन रहता है।रात के समय अंधेरे में बाहर से आने वाले वाहन चालकों को गड्ढा दिखाई नहीं देने से हादसे का खतरा और बढ़ जाता है।और इस गड्ढे मे गिरकर चोटिल होते है।वहीं फतेहगंज हनुमानगढ़ी के सामने से कसाबबाड़ा जाने वाले मार्ग पर कई स्थानों से सड़क के पत्थर गायब होने के कारण गड्ढे हैं।बारिश और नाले का पानी सड़क पर बहने से स्थिति और खराब हो जाती है,और आए दिन दुर्घटना होती रहती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की समस्या को लेकर कई बार स्थानीय पार्षद और नगर निगम से शिकायत की गई, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ।स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम व संबंधित विभाग से जल्द गड्ढों को भरवाकर सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

सरोजनीनगर में नाबालिग से दुराचार और ब्लैकमेल के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की से दुराचार और ब्लैकमेल करने के मामले में सहयोग तथा षड्यंत्र के आरोप में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस के मुताबिक 24 जुलाई 2026 को पीड़िता के पिता ने थाना सरोजनीनगर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि अभिषेक सिंह उर्फ गोलू ने स्वयं को अविवाहित बताकर उनकी नाबालिग पुत्री को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि उसने पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसका वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बार–बार शारीरिक संबंध बनाने और ब्लैकमेल कर आभूषण लेने का भी आरोप लगाया गया था। तहरीर के आधार पर थाना सरोजनीनगर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने 25 जुलाई को मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह उर्फ गोलू को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। मामले में वांछित अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में दो टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से वांछित आरोपी शानू शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया।

उज्ज्वला योजना ने बदली तस्वीर,धुएं भरे चूल्हे से गैस चूल्हे तक पहुंची ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।कभी मिट्टी के चूल्हे पर लकड़ी और गोबर के कंडों से खाना पकाने को मजबूर रहीं ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना बदलाव की नई कहानी लिख रही है। उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिलने के बाद न केवल महिलाओं को धुएं और प्रदूषण से राहत मिली है, बल्कि खाना पकाने में लगने वाले समय की बचत के साथ उनकी रोजमर्रा की जिंदगी भी आसान हुई है। अयोध्या की कुमकुम निषाद और सरिता की कहानी इसी बदलाव की मिसाल है। निषादनगर, रेतिया निवासी कुमकुम निषाद बताती हैं कि उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिलने से पहले वह अपने पिता श्री राम नारायण निषाद और बेटी वर्तिका के साथ मिट्टी के चूल्हे पर लकड़ी एवं गोबर के कंडों से खाना बनाती थीं। चूल्हे से निकलने वाले धुएं से पूरा घर भर जाता था और परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। घर की दीवारें भी धुएं से काली पड़ जाती थीं। उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिलने के बाद कुमकुम को धुएं से होने वाले प्रदूषण से राहत मिली। खाना पकाना आसान हुआ और इसमें लगने वाले समय की भी बचत होने लगी। पहले ईंधन के लिए लकड़ी और अन्य साधनों पर निर्भरता रहती थी, जिससे उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। गैस कनेक्शन मिलने के बाद इस परेशानी से भी उन्हें काफी हद तक छुटकारा मिला, कुमकुम के अनुसार, पहले लकड़ी लाने के लिए उनकी बहू–बेटियों को जंगलों में जाना पड़ता था, जहां उन्हें असुरक्षित महसूस होता था। उज्ज्वला कनेक्शन मिलने के बाद लकड़ी की जरूरत कम हुई और उन्हें इस परेशानी से भी राहत मिली। समय की बचत होने से बच्चों की शिक्षा पर भी सकारात्मक असर पड़ा। वह बताती हैं कि पहले समयाभाव के कारण वह अपने बच्चों को स्कूल भेजने में कठिनाई महसूस करती थीं, लेकिन गैस कनेक्शन मिलने के बाद बचने वाले समय का उपयोग बच्चों की पढ़ाई में कर पा रही हैं।जलालुद्दीन, पूराबाजार निवासी सरिता भी उज्ज्वला योजना से मिले लाभ को अपने अनुभव से साझा करती हैं। पति श्री जोगेंद्र के साथ रहने वाली सरिता पहले मिट्टी के चूल्हे पर लकड़ी और गोबर के कंडों से भोजन बनाती थीं। इससे घर में धुआं भर जाता था और परिवार को परेशानी होती थी। उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिलने के बाद खाना पकाना आसान हुआ और धुएं से होने वाले प्रदूषण से राहत मिली।सरिता बताती हैं कि गैस कनेक्शन मिलने से खाना पकाने में लगने वाले समय की बचत हुई और लकड़ी जैसे पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम हुई। लकड़ी एकत्र करने के लिए जंगलों में जाने की जरूरत कम होने से महिलाओं और बेटियों को असुरक्षित परिस्थितियों से भी राहत मिली। समय की बचत का लाभ बच्चों की शिक्षा में भी मिल रहा है। कुमकुम और सरिता की कहानी बताती है कि स्वच्छ ईंधन की सुविधा केवल रसोई तक सीमित बदलाव नहीं लाती,बल्कि इससे परिवार के समय, सुविधा, सुरक्षा और बच्चों की शिक्षा पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की महिलाओं को परंपरागत ईंधन के धुएं से राहत देते हुए उनके दैनिक जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहा है।

एलएसडी टीकाकरण में लापरवाही न बरतें, गोआश्रय स्थलों की होगी सघन निगरानी



(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।आयुक्त सभागार में बुधवार को पशुपालन विभाग की मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई।बैठक अपर आयुक्त प्रशासन,अयोध्या मंडल की अध्यक्षता एवं शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार, संयुक्त निदेशक, एपिडमिक, उ. प्र. लखनऊ की सह–अध्यक्षता में हुई।बैठक में एलएसडी बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण, एफएमडी एवं एचएस टीकाकरण, निराश्रित गोवंश संरक्षण, हरे चारे की उपलब्धता तथा कृत्रिम गर्भाधान की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में निर्देश दिए गए कि एलएसडी से प्रभावित लखनऊ एवं बहराइच से सीमांकित जनपद बाराबंकी में रिंग वैक्सीनेशन के साथ गोआश्रय स्थलों की सघन निगरानी करते हुए शत–प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराया जाए।एफएमडी एवं एचएस टीकाकरण के साथ उसकी शत–प्रतिशत ऑनलाइन अपलोडिंग कराने के भी निर्देश दिए गए।निराश्रित गोवंश संरक्षण को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि 100 से कम गोवंश वाले गोआश्रय स्थलों को बंद कर वहां के गोवंश को नजदीकी बड़े आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया जाए। 400 से कम क्षमता वाले वृहद गोसंरक्षण केंद्रों की क्षमता बढ़ाकर अधिक से अधिक निराश्रित गोवंश का संरक्षण कराया जाए। आश्रय स्थलों में नर, मादा तथा अशक्त बीमार गोवंश को अलग रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।इसके अलावा गोआश्रय स्थलों से जुड़ी चारागाह भूमि पर पर्याप्त मात्रा में हरे चारे की बुवाई कराने तथा कृत्रिम गर्भाधान के निर्धारित लक्ष्य समय से पूरा कर शत–प्रतिशत अपलोडिंग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।बैठक में मंडल के मुख्य विकास अधिकारी, संयुक्त विकास आयुक्त, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अयोध्या डाक्टर इंद्रदेव माहर,उप निदेशक पंचायतराज तथा उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एवं पशु चिकित्साधिकारी मौजूद रहे। अंत में अपर निदेशक ग्रेड–2 पशुपालन विभाग डॉ. अरविन्द कुमार वैश्य अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महिला का शव मिलने से हड़कंप

लखनऊ, (संवाददाता)। बाराबिरवा के पास सड़क किनारे मंगलवार सुबह करीब 32 वर्षीय महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। महिला के सिर पर चोट का निशान पाया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फील्ड यूनिट को बुलाकर घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए।पुलिस के अनुसार 15 सितंबर को सुबह 7:52 बजे सूचना मिली कि एलडीए प्रथम चौकी क्षेत्र के अंतर्गत एक महिला का शव पड़ा है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक, कंट्रोल रूम और उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए पुलिस बल मौके पर पहुंचा। महिला पुलिसकर्मियों की सहायता से शव का निरीक्षण किया गया, जिसमें सिर पर चोट का निशान मिला।प्रथम दृष्टया आसपास के लोगों से पूछताछ में मृतका की पहचान राधा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक वह बाराबिरवा के पास सड़क किनारे भोला नामक व्यक्ति के साथ रहती थी। जानकारी मिली है कि किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस इस विवाद और महिला की मौत के बीच संबंध की जांच कर रही है। पुलिस ने मृतका के परिजनों के संबंध में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है।

अयोध्या में दीपोत्सव से पहले नई सौगात, सरयू किनारे आकर ले रहा सांस्कृतिक केंद्र

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।दीपोत्सव में जब लाखों दीपों से अयोध्या जगमगाएगी।उसी दौरान सरयू किनारे एक नया पर्यटन आकर्षण भी पर्यटकों का स्वागत करने को तैयार होगा। राजघाट के पास 22.72 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रहे इस टूरिज्म हब में एम्फीथिएटर, फूड प्लाजा, कैफे और हनुमान चालीसा की म्यूरल वॉल खास आकर्षण होंगी।श्री अयोध्या जी तीर्थ विकास योजना के तहत चल रहे इस प्रोजेक्ट का करीब 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है और अक्टूबर 2026 के अंत तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस पर जानकारी देते हुए बताया कि, "दीपोत्सव के दौरान अयोध्या में पर्यटकों की बढ़ती संख्या शहर के स्पिरिचुअल और कल्चरल टूरिज्म के बढ़ते महत्व को दर्शाती है। पिछले वर्ष अक्टूबर–नवंबर में हुए दीपोत्सव के दौरान करीब 2.85 करोड़ घरेलू और विदेशी पर्यटक अयोध्या पहुंचे थे। इस वर्ष यह संख्या और बढ़ने



की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि राजघाट के पास तैयार हो रहा एम्फीथिएटर और फूड कोर्ट पर्यटकों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्थानीय खानपान और सरयू के खूबसूरत वातावरण का एक साथ अनुभव कराएगा।मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि,"यह सुविधा दीपोत्सव के साथ पूरे साल पर्यटकों के लिए उपयोगी होगी। प्रोजेक्ट में करीब 150 से 200 लोगों की क्षमता वाला एम्फीथिएटर बनाया जा रहा है, जहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे एवं इसके साथ ही हनुमान चालीसा की पूरी चौपाइयों को दर्शाती म्यूरल वॉल का निर्माण किया जा रहा है।इसके अलावा कैफे, आठ दुकानों वाला फूड प्लाजा, सार्वजनिक सुविधाएं और अन्य पर्यटक सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं।अपर मुख्य सचिव एवं महानिदेशक पर्यटन,"अमृत अभिजात ने बताया कि राजघाट के पास विकसित किया जा रहा यह प्रोजेक्ट केवल पर्यटकों की सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सरयू किनारे उन्हें एक नया और यादगार अनुभव देने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा है। इससे अयोध्या के पर्यटन परिदृश्य को और विस्तार मिलेगा तथा रामायण सर्किट में भी पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण और अनुभव जुड़ सकेगा।"

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।